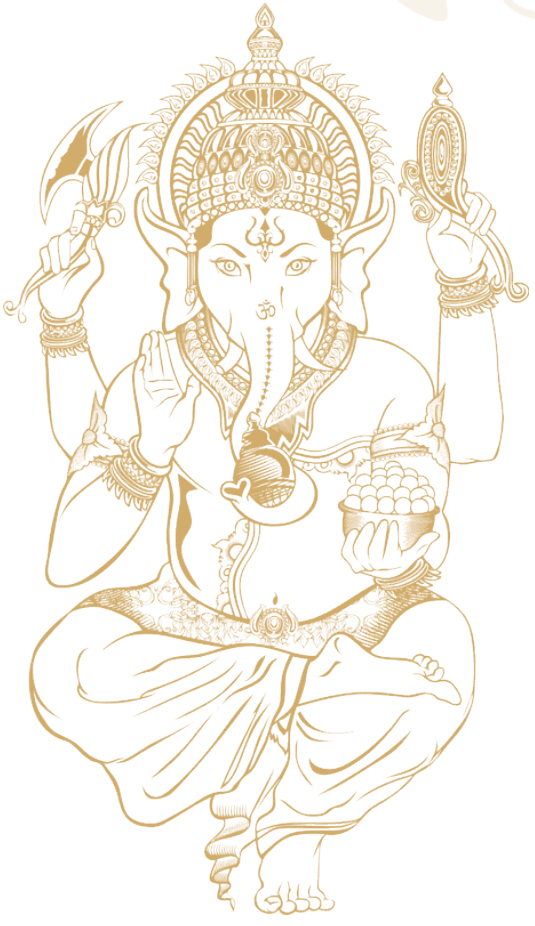

Himanshu Bikonia

10 Dec 1995

11:45 PM

Jaipur Rly Station

Model: Varshphal-2017 **Order No: 121753101**

तिथि 10/12/1995 **समय** 23:45:00 **वार** रविवार **स्थान** Jaipur Rly Station **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:48:08
अक्षांश 26:54:00 उत्तर **रेखांश** 75:48:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:26:48 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	04:34:12 घं	गण	देव
वेलान्तर	00:07:27 घं	योनि	मेष
सूर्योदय	07:04:45 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	17:34:01 घं	वर्ण	विप्र
चैत्रादि संवत	2052	वश्य	जलचर
शक संवत	1917	वर्ग	मेष
मास	पौष	युँजा	मध्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	जल
तिथि	4	जन्म नामाक्षर	हू-हुकमसिंह
नक्षत्र	पुष्य	पाया(रा.-न.)	लौह-रजत
योग	ब्रह्म	होरा	बुध
करण	बव	चौघड़िया	रोग

विंशोत्तरी शनि 17वर्ष 1मा 21दि बुध 31/01/2013 31/01/2030		योगिनी धान्या 2वर्ष 8मा 14दि संकटा 25/08/2020 25/08/2028	
बुध	29/06/2015	संकटा	05/06/2022
केतु	26/06/2016	मंगला	25/08/2022
शुक्र	27/04/2019	पिंगला	03/02/2023
सूर्य	02/03/2020	धान्या	05/10/2023
चन्द्र	01/08/2021	भ्रामरी	25/08/2024
मंगल	30/07/2022	भद्रिका	04/10/2025
राहु	15/02/2025	उल्का	03/02/2027
गुरु	24/05/2027	सिद्धा	25/08/2028
शनि	31/01/2030		

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			17:05:46	सिंह	पू०फाल्गुनी	2	शुक्र	चंद्र	---	0:00			
सूर्य			24:24:32	वृश्चि	ज्येष्ठा	3	बुध	राहु	मित्र राशि	1.09	अमात्य	पितृ	सम्पत
चंद्र			04:38:13	कर्क	पुष्य	1	शनि	शनि	स्वराशि	1.08	पुत्र	मातृ	जन्म
मंगल			13:56:50	धनु	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि	1.02	मातृ	भ्रातृ	क्षेम
बुध		अ	04:04:28	धनु	मूल	2	केतु	चंद्र	सम राशि	0.92	ज्ञाति	ज्ञाति	विपत
गुरु		अ	00:50:19	धनु	मूल	1	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण	1.07	कलत्र	धन	विपत
शुक्र			22:34:43	धनु	पूर्वाषाढ़ा	3	शुक्र	शनि	सम राशि	1.29	भ्रातृ	कलत्र	क्षेम
शनि			24:30:44	कुंभ	पू०भाद्रपद	2	गुरु	बुध	स्वराशि	1.39	आत्मा	आयु	अतिमित्र
राहु	व		01:07:18	तुला	चित्रा	3	मंगल	बुध	मित्र राशि		---	ज्ञान	वध
केतु	व		01:07:18	मेष	अश्विनी	1	केतु	शुक्र	मित्र राशि		---	मोक्ष	विपत

लग्न-चलित

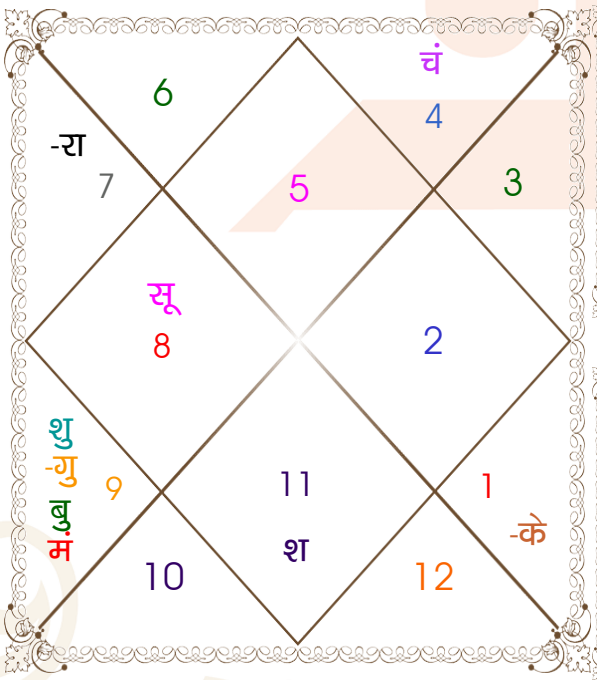

चन्द्र कुंडली

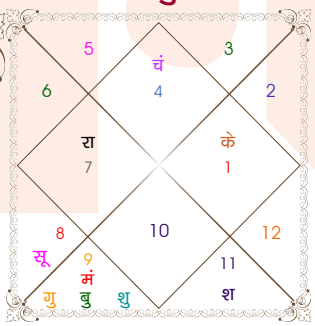

नवमांश कुंडली

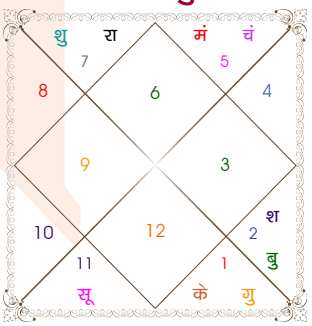

सर्वाष्टकवर्ग

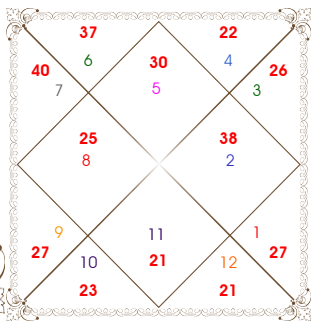

दशमांश कुंडली

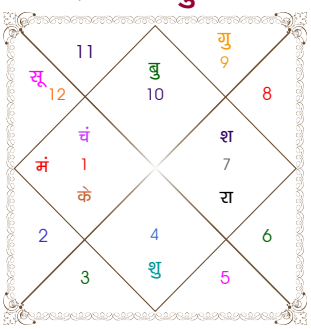

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा गर्मी आदि के द्वारा उत्पन्न रोगों से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी सामान्यतया अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे शत्रुपक्ष इस समय आपका प्रबल रहेगा तथा उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा लोकोपवाद से मान हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही आलस्य का भाव भी आप में विद्यमान रहेगा। पिता से भी इस समय आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी एवं आपसी संबंधों में तनाव तथा कलह का वातावरण विद्यमान रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा लाभ मार्ग अवरूद्ध रहेंगे फलतः आपको समय समय पर आर्थिक कठिनाई रहेगी।

व्यापार तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा इस समय व्यापार में समस्याएं रहेंगी तथा किसी प्रकार की हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ सहयोगी आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा कार्य क्षेत्र में भी इनसे कोई परेशानी हो सकती है। अतः ऐसे समय में इनकी आज्ञा का विनम्रता पूर्वक पालन करें तथा इनकी उपेक्षा न करें। इसके साथ ही आपकी कोई यात्रा भी होगी परन्तु इसमें विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः इस वर्ष को अत्यंत शान्ति तथा बुद्धिमता पूर्वक व्यतीत करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट से परेशान हो सकते है साथ ही मानसिक स्थिति भी अशान्त रहेगी तथा यदा कदा उद्विग्नता एवं व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी। इस वर्ष में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा इनमें अल्प मात्रा में ही आपको सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा पारिवारिक जनों के मध्य कलह एवं मतभेद का भाव रहेगा। इस समय मातृ पक्ष या ससुराल से आप को न्यूनाधिक मात्रा में लाभ की भी प्राप्ति होगी साथ ही भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति एवं उपभोग भी आप करेंगे परन्तु इसकी मात्रा में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी आपकी सामान्य श्रद्धा रहेगी परन्तु धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष सामान्यतया उन्नतिकारक एवं परिश्रमशील रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम से आप को व्यापार में अल्प सफलता ही प्राप्त होगी तथा लाभ मार्ग में भी रूकावट आएंगी। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आप की उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे एवं विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा । इसके अतिरिक्त वरिष्ठ नेता या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा इनसे लाभ एवं सहयोग भी अल्प ही प्राप्त होगा । सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश भी इस वर्ष मध्यम रहेगा साथ ही आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव आएंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही परिश्रम एवं संघर्ष पूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको कष्ट या परेशानी की भी अनुभूति हो सकती है। साथ ही मानसिक स्थिति भी मध्यम ही रहेगी। इस समय आपके समस्त सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम पूर्वक ही सफल होंगे।साथ ही मित्र एवं संबधियों से आपके संबध सामान्य रहेंगे तथा यदा कदा इसमें तनाव भी उत्पन्न हो सकता है तथा उनसे सहयोग एवं लाभ भी अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष सामान्य रहेगा तथा आवश्यक मात्रा में ही धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी। साथ ही यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण आप किंचित परेशानी की भी अनुभूति कर सकते हैं। लेकिन इसका कोई विशेष कुप्रभाव नहीं होगा। इसके अतिरिक्त न्यूनाधिक मात्रा में आपको भौतिक सुख संसाधनों की भी प्राप्ति होती रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष मध्यम रहेगा तथा अत्यन्त ही परिश्रम एवं पराक्रम से आपको वांछित उन्नति प्राप्त होगी। व्यापार में आपको चलते हुए कार्य पर अधिक परिश्रम करना चाहिए तथा नवीन कार्यों को प्रारंभ नहीं करना चाहिए। नौकरी या राजनीति में भी आपको उन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इनमें आपको अनावश्यक विलम्ब तथा व्यवधान का सामना करना पड़ेगा। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा एवं यश भी मध्यम रहेगा तथापि समयानुसार लोग आपका प्रभुत्व स्वीकार करेंगे। इस समय परिश्रम पूर्वक आपके विलम्बित कार्य पूर्ण हो सकते है। साथ ही भाग्योदय में भी न्यूनाधिक सफलता मिलती रहेगी। इस वर्ष में वाहन संबधी सुख में भी अल्पता रहेगी। अतः वांछित सफलता एवं उन्नति के लिए परिश्रमशील रहें।

प्रथम मास
10/12/2026 22:27:45 से 09/01/2027 09:29:46 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	00:05:05
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:24:32
चन्द्र		धनु	मूल	12:35:29
मंगल		सिंह	मघा	11:00:09
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	12:23:18
गुरु		सिंह	मघा	02:46:47
शुक्र		तुला	स्वाति	10:12:53
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:41:42
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	28:15:12
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	28:15:12
मुंथा		मीन	रेवती	17:05:46

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

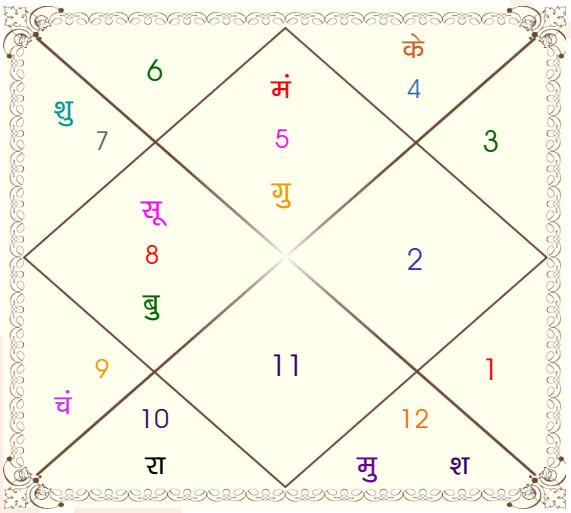

इस समय आपको शत्रुओं से भय एवं चिन्ता बनी रहेगी साथ ही घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। इस समय आपका अनावश्यक रूप से व्यय होगा एवं धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में न्यूनता आएगी। शारीरिक रूप से भी आप विभिन्न प्रकार से कष्टानुभूति करेंगे परिणामतः आपके बल में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आप घर से दूर किसी यात्रा को सम्पन्न कर सकते हैं। सांसारिक कार्यो में भी इस समय आप कष्ट प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी के कारण बुखार आदि से भी कष्टानुभूति करेंगे। इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए।

द्वितीय मास
09/01/2027 09:29:46 से 07/02/2027 21:35:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	धनिष्ठा	00:53:53
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:24:32
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:37:59
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:10:46
बुध		धनु	उत्तराषाढ़ा	28:57:27
गुरु	व	सिंह	मघा	01:36:39
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	07:38:36
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:27:36
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:28:18
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:28:18
मुंथा		मीन	रेवती	19:35:46

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

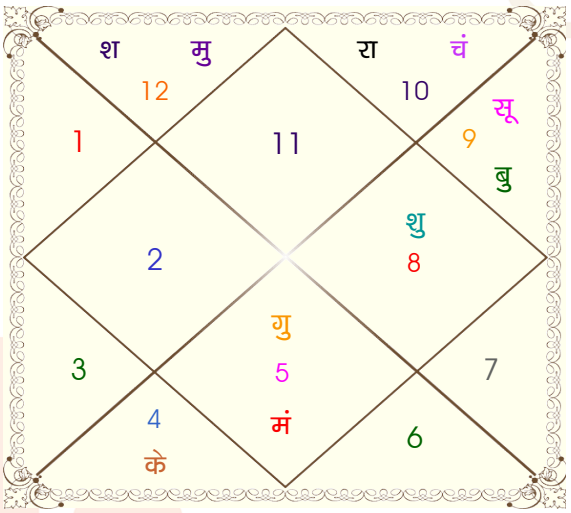

इस मास को सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।साथ ही आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेंगे। समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धुओं एवं मित्र वर्ग से आप आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा सहायता भी अर्जित करेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न का भी अधिक मात्रा में उपयोग करेंगे। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। इस समय शत्रु वर्ग भी आपसे भयभीत एवं चिन्तित रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यों के द्वारा भी धनार्जन होगा। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास को सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही आप स्त्री का पूर्ण सुख भी प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी उचित सहयोग तथा सहायता मिलती रहेगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाजिक जनों से भी पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

तृतीय मास
07/02/2027 21:35:51 से 09/03/2027 16:37:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	10:03:53
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	24:24:32
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	05:32:43
मंगल	व	सिंह	मघा	11:05:23
बुध		कुम्भ	शतभिषा	11:21:45
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	28:14:42
शुक्र		धनु	मूल	10:26:22
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	16:37:37
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:17:09
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:17:09
मुंथा		मीन	रेवती	22:05:46

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

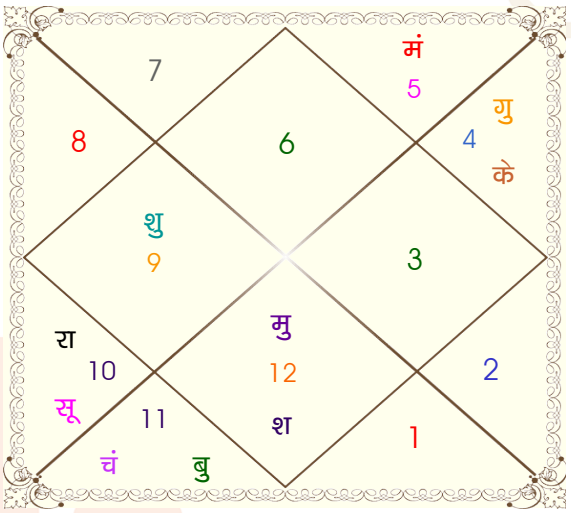

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री या बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा आपके बन्धु वर्ग तथा स्त्री को किसी प्रकार का कष्ट होगा। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आपको नित्य चिन्ता तथा भय बना रहेगा। आपमें इस मास उत्साह की अल्पता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी तथा अनावश्यक रूप से धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप कष्टानुभुति प्राप्त करेंगे आपके मन में लालच के भाव की भी वृद्धि होगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। बन्धु जनों से आपके सम्बन्धों में तनाव व्याप्त होगा तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आपको मानसिक रूप से असन्तुष्टि रहेगी। साथ ही अन्य पारिवारिक या समाजिक जनों से भी वादविवाद होते रहेंगे।

लेकिन इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इससे आपको स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा इनसे आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों तथा द्रव्य आदि को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

चतुर्थ मास
09/03/2027 16:37:17 से 08/04/2027 22:45:48 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	29:57:53
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:24:32
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	06:52:11
मंगल	व	सिंह	मघा	00:05:30
बुध		मकर	धनिष्ठा	28:24:05
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	24:35:02
शुक्र		मकर	श्रवण	15:30:46
शनि		मीन	रेवती	19:48:47
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:08:33
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:08:33
मुंथा		मीन	रेवती	24:35:46

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

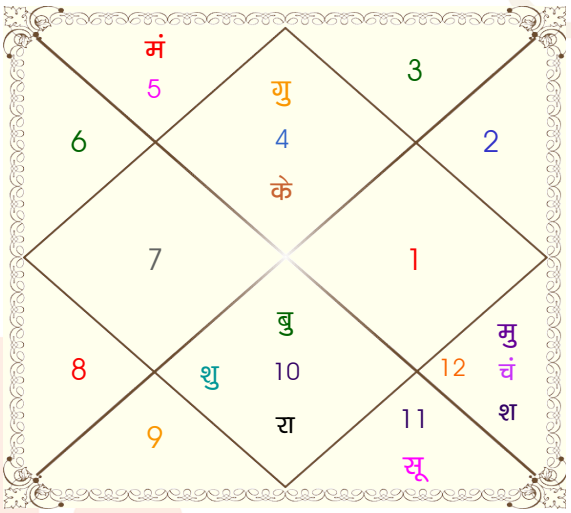

यह मास आपके लिए पूर्ण रूपेण शुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे।फलतः आप किसी सम्माननीय पद को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। धनार्जन इस समय प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको धन लाभ हो सकेगा। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक कार्यकम भी सम्पन्न होने की सम्भावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्नपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपकी यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश रूप से भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे। इस मास आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र मानप्रतिष्ठा अर्जित करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस समय गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा एवं नवीन वस्त्रों या अन्य द्रव्यों को प्राप्त करन में भी सफल रहेंगे एवं आनंदपूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे।

पंचम् मास
08/04/2027 22:45:48 से 09/05/2027 17:23:47 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	16:54:53
सूर्य		मीन	रेवती	24:24:32
चन्द्र		मेष	भरणी	16:03:43
मंगल		कर्क	आश्लेषा	26:59:20
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	05:20:08
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	22:47:06
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:54:14
शनि		मीन	रेवती	23:33:10
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	24:26:04
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	24:26:04
मुंथा		मीन	रेवती	27:05:46

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

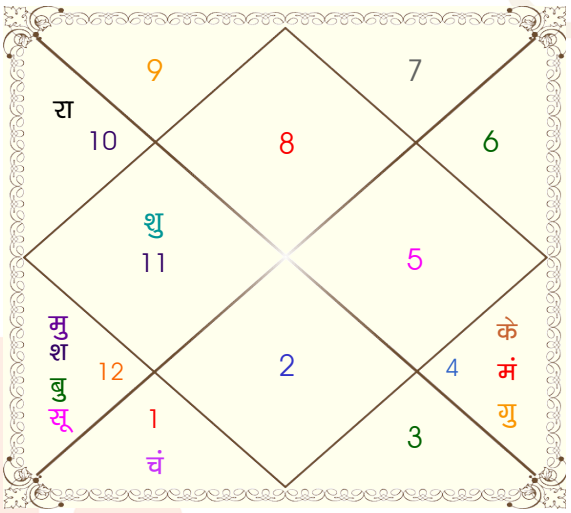

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप संतति पक्ष से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। इस समय आपके प्रभुत्व में भी वृद्धि होगी तथा अन्य लोग आपके प्रभुत्व को हृदय से स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजन एवं सम्मान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होगी फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से भी वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति कर सकते है। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत होगा।

षष्ठ मास

09/05/2027 17:23:47 से 09/06/2027 22:30:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	03:34:04
सूर्य		मेष	भरणी	24:24:32
चन्द्र		मिथुन	मृगशिरा	05:06:14
मंगल		सिंह	मघा	03:56:04
बुध		वृष	कृतिका	06:35:34
गुरु		कर्क	आश्लेषा	23:48:17
शुक्र		मीन	रेवती	29:13:11
शनि		मीन	रेवती	27:20:26
राहु	व	मकर	श्रवण	21:17:18
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	21:17:18
मुंथा		मीन	रेवती	29:35:46

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

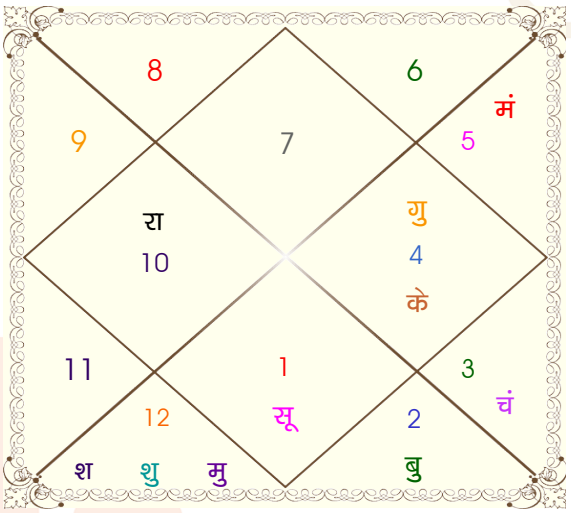

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। फलतः शरीर में कमजोरी रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी बलवान रहेंगे जिससे वे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। फलतः आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की पूर्ण रूप से आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको किसी भी प्रकार से दण्डित भी किया जा सकता है। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। आपके मित्रों एवं संबधियों से भी इस मास तनाव पूर्ण संबध रहेंगे तथा मनोकामनाएं भी अल्प मात्रा में पूर्ण होगी। इस समय मान हानि का भी योग बनता है अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

इसके साथ ही इस मास में आप वायुजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा आग के द्वारा भी आपको धन हानि हो सकती है। अतः आपको पूर्ण रूप से सतर्क होकर अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

सप्तम् मास
09/06/2027 22:30:31 से 11/07/2027 09:04:32 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	12:17:15
सूर्य		वृष	मृगशिरा	24:24:32
चन्द्र		सिंह	मघा	01:36:43
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:57:44
बुध		मिथुन	आर्द्रा	12:04:32
गुरु		कर्क	आश्लेषा	27:22:58
शुक्र		वृष	कृतिका	07:12:10
शनि		मेष	अश्विनी	00:38:11
राहु		मकर	श्रवण	18:39:22
केतु		कर्क	आश्लेषा	18:39:22
मुंथा		मेष	अश्विनी	02:05:46

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

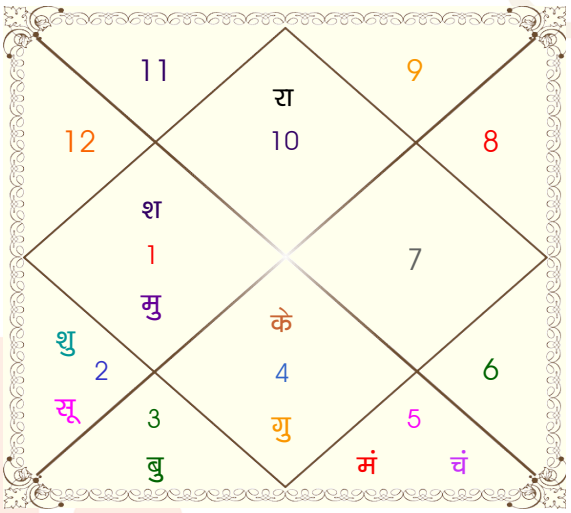

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी आपके परस्पर संबध मधुर नहीं रहेगे अतः तनाव का वातावरण रहेगा। आपके व्यापार या कार्य क्षेत्र में इस मास मन्दी आ सकती है तथा स्थान परिर्वतन का योग भी बनता है ।साथ ही अस्थाई कार्य यदि कोई हो तो वह छूट सकता है। समाज में लोगों से इस मास आपके तनाव पूर्ण संबध रहेंगे फलतः सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग उत्पन्न हो सकते है तथा अनावश्यक रूप से भी धन व्यय होगा फलतः आप यदाकदा दुःखी रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वात या ठण्ड से उत्पन्न होने वाले रोगों से भी पीड़ित हो सकते हैं। इस समय आप किसी ऐसे कार्य करने के लिए प्रवृत होंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। साथ ही समाज में भी आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है अतः सम्पूर्ण मास सावधानी पूर्वक अपने क्रिया कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
11/07/2027 09:04:32 से 11/08/2027 18:26:32 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	07:34:55
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	24:24:32
चन्द्र		कन्या	चित्रा	29:00:08
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:26:19
बुध		मिथुन	मृगशिरा	04:54:18
गुरु		सिंह	मघा	02:46:10
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	15:38:18
शनि		मेष	अश्विनी	02:53:12
राहु	व	मकर	श्रवण	17:28:46
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:28:46
मुंथा		मेष	अश्विनी	04:35:46

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

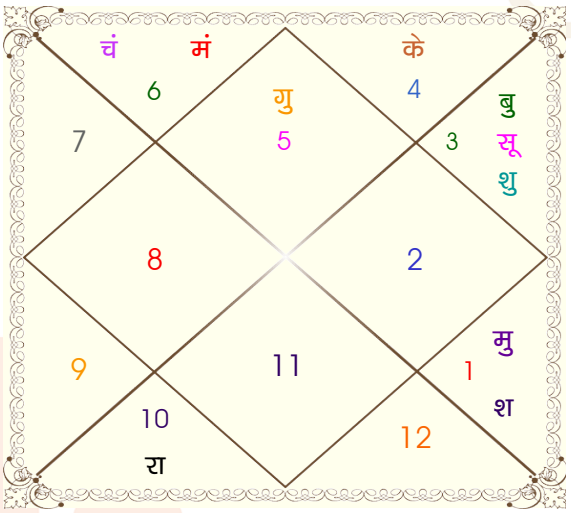

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ तथा भाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आपके धर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होगा।संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा। इस मास में आपकी लाभ दायक यात्रा का योग भी बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सम्मान तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज में आप एक सम्माननीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा तथा सुख साधनों को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आपकी रूचि रहेगी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा व्याप्त रहेगी।

नवम् मास
11/08/2027 18:26:32 से 11/09/2027 20:19:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	13:21:02
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	24:24:32
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:21:34
मंगल		कन्या	हस्त	22:02:06
बुध		कर्क	आश्लेषा	24:29:42
गुरु		सिंह	मघा	09:10:33
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	24:16:40
शनि	व	मेष	अश्विनी	03:37:52
राहु		मकर	श्रवण	17:14:13
केतु		कर्क	आश्लेषा	17:14:13
मुंथा		मेष	अश्विनी	07:05:46

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

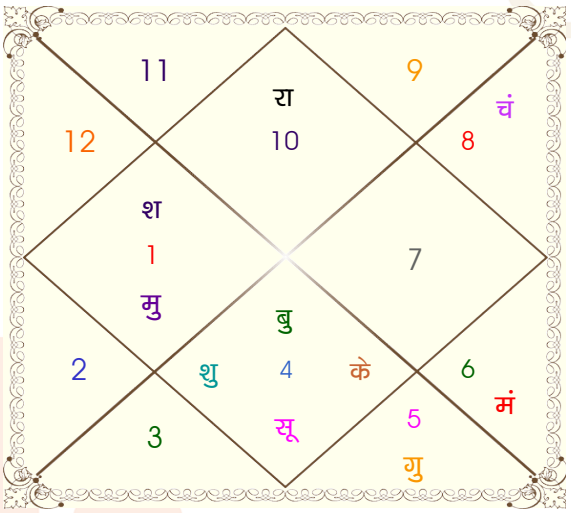

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक घटित होंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। आपका शत्रुपक्ष इस समय प्रबल रहेगा अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता आएगी या कोई अन्य कार्य छूट सकता या बन्द हो सकता है। साथ ही कार्यक्षेत्र में किसी प्रकार के परिवर्तन होने की भी संभावना रहेगी। समाज में अन्य जनों से आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा परस्पर विवाद एवं वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि के योग भी बनते है तथा शरीर में किसी प्रकार का रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता से समय को व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः आप स्त्री एवं पुत्र से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनसे आपको कोई कष्ट नहीं होगा। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या कीमती द्रव्यों को भी प्राप्त कर सकते है। इससे आप मानसिक प्रसन्नता की प्राप्ति कर सकेंगे।

दशम् मास
11/09/2027 20:19:09 से 12/10/2027 10:38:15 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	01:08:17
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:24:32
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:43:51
मंगल		तुला	स्वाति	12:03:05
बुध		कन्या	हस्त	17:38:11
गुरु		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:53:52
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:46:26
शनि	व	मेष	अश्विनी	02:43:42
राहु		मकर	श्रवण	16:50:16
केतु		कर्क	आश्लेषा	16:50:16
मुंथा		मेष	अश्विनी	09:35:46

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

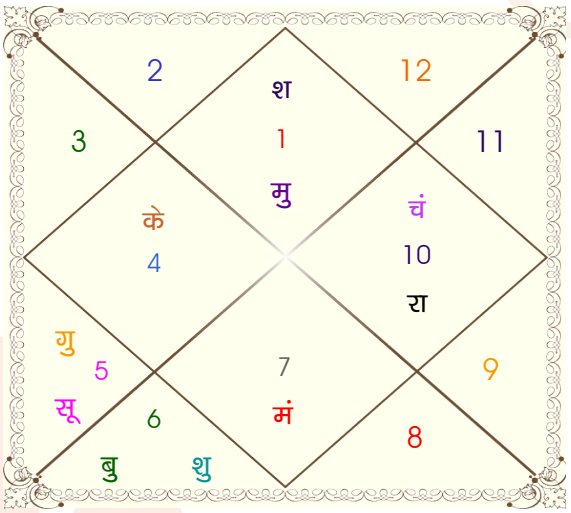

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभफल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।साथ ही इस मास आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुपक्ष को पराजित करने में आप सफल रहेंगे। इस समय आपके लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे अतः आर्थिक स्थिति अत्यंत ही सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे एवं कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगा जिसकी काफी समय से आप प्रतीक्षा कर रहे थे। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग भी प्राप्त करेंगे। इस समय सांसारिक कार्यो में आपको पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न एवं संतुष्ट रहेंगे। अतः आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ आप समय समय पर अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं जाने या अनजाने में किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा आपको इसके लिए पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी आप न्यूनाधिक क्षति प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

एकादश मास
12/10/2027 10:38:15 से 11/11/2027 12:35:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:35:05
सूर्य		कन्या	चित्रा	24:24:32
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	15:49:00
मंगल		वृश्चिक	विशाखा	03:05:16
बुध	व	तुला	स्वाति	09:19:02
गुरु		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:18:08
शुक्र		तुला	स्वाति	10:46:53
शनि	व	मेष	अश्विनी	00:37:28
राहु	व	मकर	श्रवण	14:53:10
केतु	व	कर्क	पुष्य	14:53:10
मुंथा		मेष	अश्विनी	12:05:46

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

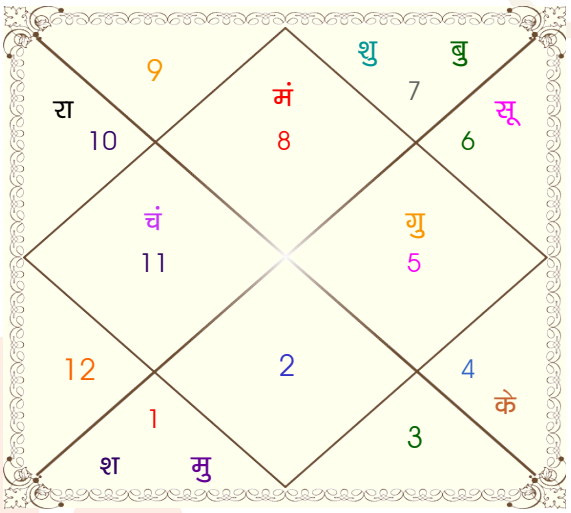

यह महीना आप के लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक रूप से आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। शत्रुपक्ष भी आपका इस मास में बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे।साथ ही घर में भी किसी प्रकार की चोरी आदि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का तत्परता से पालन करें तथा उनकी किसी भी प्रकार से उपेक्षा न करें अन्यथा आप उनसे दण्ड प्राप्त कर सकते है। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अथक परिश्रम के बाद अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को करेंगे जिससे आपको पछताना पड़ेगा तथा सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपका मन मुटाव रहेगा। आपकी इच्छाएं इस समय में पूर्ण नहीं होंगी अतः मानसिक रूप से भी आप कष्ट प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप पत्नी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा बुद्धि में निर्मलता होने के कारण बुद्धिचातुर्य से अपने कार्यो को सिद्ध करने में सफल रहेंगे। साथ ही धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा समाज में प्रतिष्ठा भी प्राप्त कर सकेंगे।

द्वादश मास
11/11/2027 12:35:11 से 11/12/2027 04:37:07 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	16:21:27
सूर्य		तुला	विशाखा	24:24:32
चन्द्र		मीन	रेवती	19:36:47
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:54:06
बुध		तुला	स्वाति	07:33:42
गुरु		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:46:13
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:08:22
शनि	व	मीन	रेवती	28:19:55
राहु	व	मकर	श्रवण	11:37:50
केतु	व	कर्क	पुष्य	11:37:50
मुंथा		मेष	भरणी	14:35:46

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

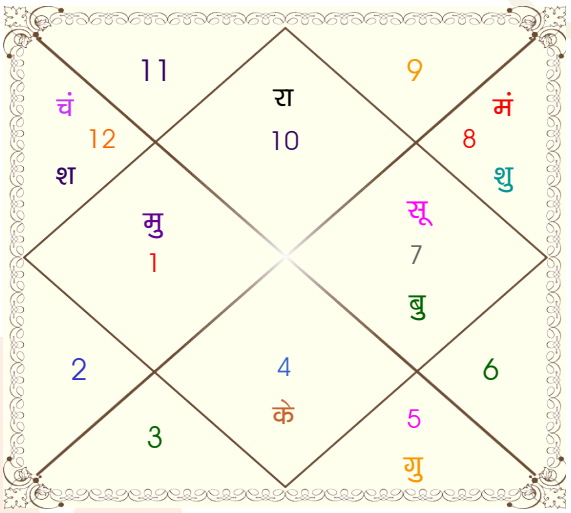

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु भी आपसे अधिक बलवान होंगे अतः उनकी ओर से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके व्यापार आदि कार्यो में मन्दी रहेगी तथा नौकरी आदि में भी अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। साथ ही आप किसी कार्य को परिवर्तन कर सकते है या कोई कार्य छूट भी सकता है। समाज में दूसरे लोगों के साथ आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता परिलक्षित होगी। इसके अतिरिक्त आपके इस मास में धन हानि के योग बनेंगे तथा शरीर किसी नवीन रोग से पीड़ित हो सकता है। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यो को सोच समझ कर सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री तथा पुत्र से आप सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धिमता से धनार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा आपके इन विचारों से समाज से आप वांछित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त कर सकेंगे।